'उत्कृष्टता केंद्र खोलने के लिए मिलेंगे दस करोड़'

सहारनपुर, 13 अप्रैल (जनसत्ता)।

आइआइटी रुड़की के सभागार में रविवार को सहारनपुर 'प्लाइवुड मैन्युफैक्चर्स वेलफेयर एसोसिएशन' के तत्वावधान में उद्यमी, किसान और निर्यातक संवाद एवं समाधान की मंडलीय कार्यशाला का अयोजन किया गया। इस दौरान सहारनपुर को निवेश के लिए सबसे उपयुक्त स्थान बताते हुए मुख्य सचिव मनोज सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने यहां तकनीक विकास में प्रोत्साहन के लिए शोध एवं विकास के तहत उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर फार एक्सीलेंस) की स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपए देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने उद्यमियों से यहां निवेश करने की अपील की।

मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे तेजी के साथ विकास करने वाला राज्य बन गया है। यह लोगों के लिए पूरी तरह से अनुकूल और उद्यमियों के लिए सुरक्षित है।

सहारनपुर में मुख्य सचिव मनोज सिंह ने उद्यमियों से किया निवेश का आह्वान।

इसी कारण देश और दुनिया के बड़े उद्यमी यहां निवेश के लिए आ रहे हैं। उन्होंने हरियाणा, उत्तराखंड की सीमाओं से सटे सहारनपुर जनपद को निवेश के लिए उपयुक्त स्थान बताया। उन्होंने कहा कि सरकार सहारनपुर को प्लाइवुड हब के रूप में विकसित करने में हर संभव सहायता करेगी। उन्होंने उद्यमियों से इसके लिए लाइसेंस लेने के का आग्रह किया। सहारनपुर के मंडलायुक्त अटल कुमार राय और जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं के मामले में सहारनपुर प्रमुख स्थान है। प्रशासन मंडल में लकड़ी पर आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए तत्पर है।

मुख्य सचिव मनोज सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में सहारनपुर जिले के काष्ठ कला और होजरी व्यवसाय को एक जिला दो उत्पाद के रूप में स्वीकृति दी है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्रित्व काल के आठ वर्षों में लोगों की व्यक्तिगत आय दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि औद्योगिकरण के मामले में उत्तर प्रदेश का मुकाबला हरियाणा से नहीं महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात से है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 25 से अधिक सेक्टर में उद्योगों को प्रोत्साहन करने के लिए नीति बनाई है और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए एफडीआइ और पूंजीनिवेश की नीति बनाई गई है। मुख्य सचिव ने पड़ोसी जिलों से आए उद्यमियों की समस्यांए सुनकर उनके निराकरण का भरोसा दिया।

जनसत्ता Mon, 14 April 2025
https://epaper.jansatta.com/c/77173684